एम्मेट का सुअर

मैरी स्टोलज़

चित्र: गार्थ विलियम्स

एम्मेट का सुअर

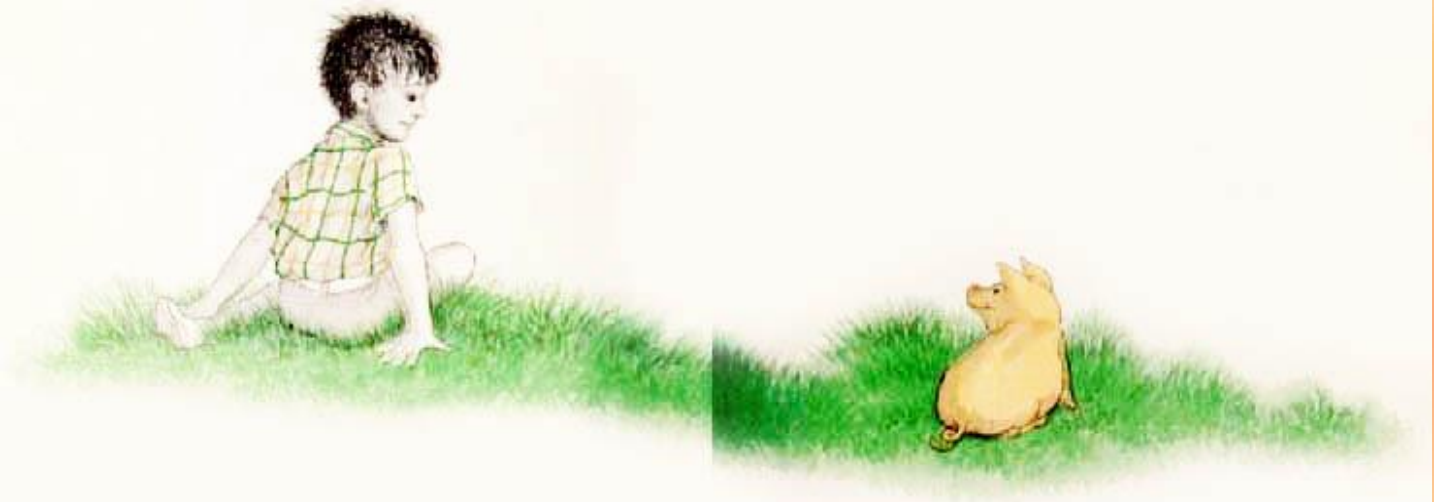

मैरी स्टोलज़

चित्र: गार्थ विलियम्स

एम्मेट का सुअर

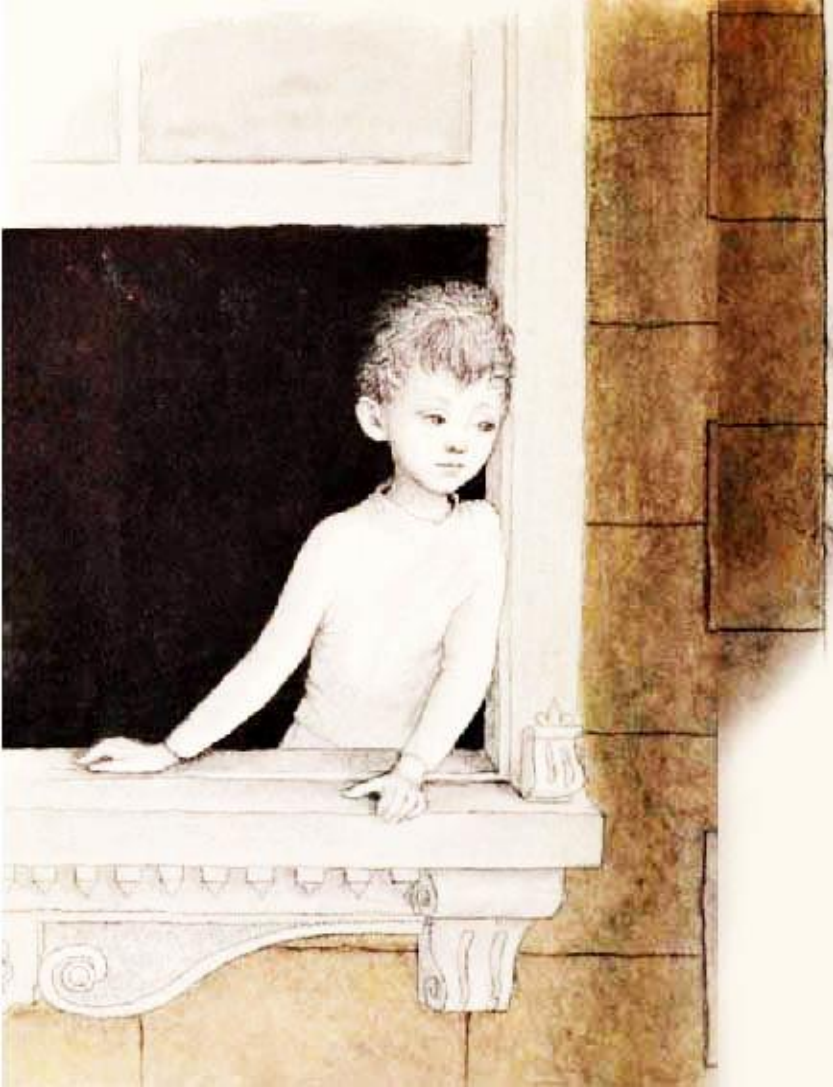

अध्याय एक

एम्मेट शहर में रहता था.

वो एक अपार्टमेंट में रहता था.

अपार्टमेंट एक बिल्डिंग में था.

और बिल्डिंग एक पार्क के पास थी.

पार्क में एक चिड़ियाघर था.

वहां जानवर रहते थे.

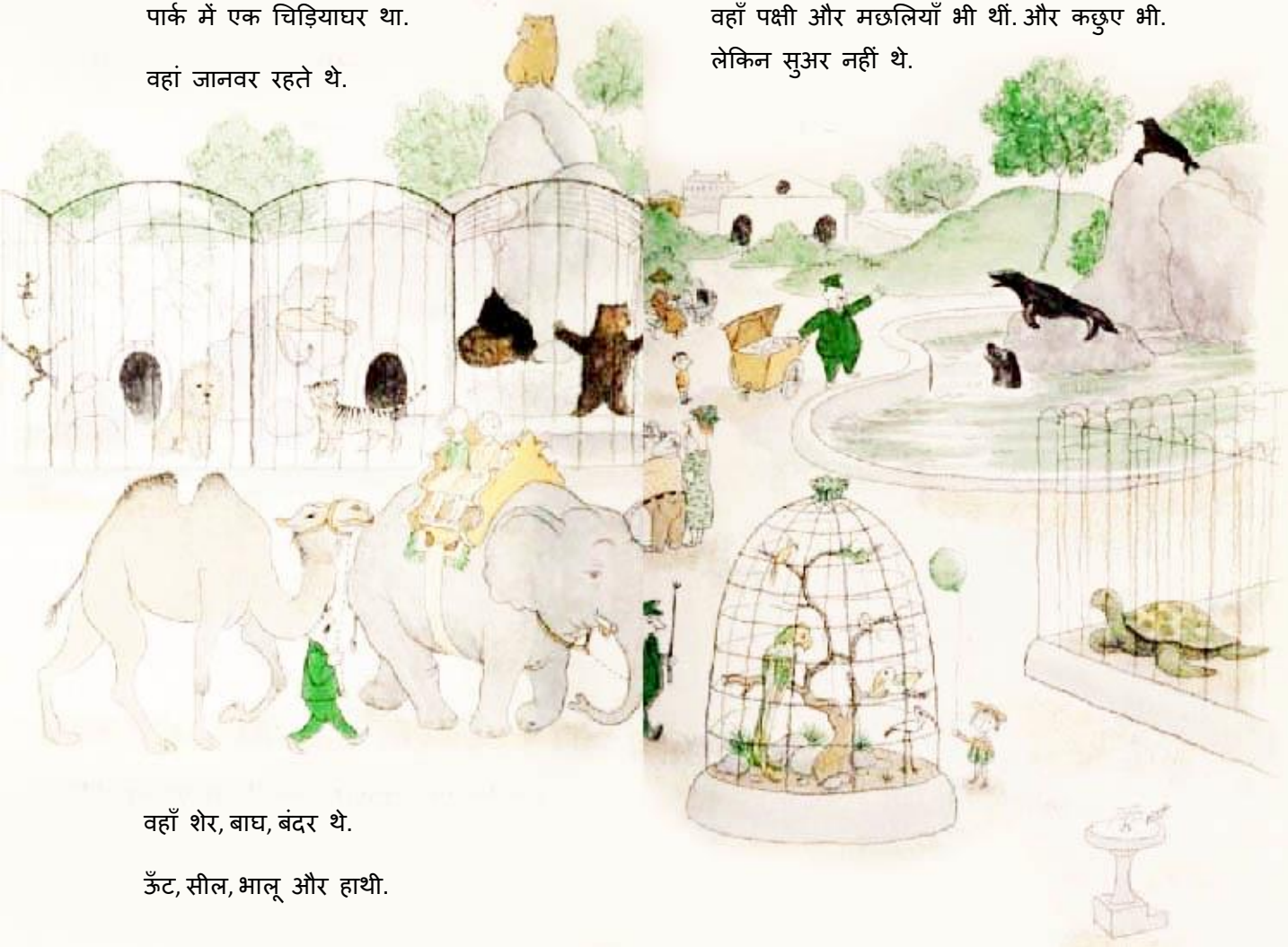

वहाँ पक्षी और मछलियाँ भी थीं. और कछुए भी.
लेकिन सुअर नहीं थे.

वहाँ शेर, बाघ, बंदर थे.

ऊँट, सील, भालू और हाथी.

एम्मेट को सुअर पसंद थे.

उसे वे पक्षी और मछली से अधिक अच्छे लगते थे.

उसे वे शेर, बाघ, बंदर, ऊँट, सील. भालू, या हाथी.

या कछुए से भी बेहतर लगते थे.

"चिड़ियाघर में सुअर क्यों नहीं हैं?" एम्मेट ने पूछा.

"वे खेतों पर रहते हैं." उसकी माँ ने कहा.

एम्मेट ने कहा, "और खेत, गांव में होते हैं."

"हाँ," उसके पिता ने कहा.

"गांव कहाँ है?" एम्मेट ने पूछा.

"गांव शहर के बाहर होते हैं."

"क्या गांव दूर हैं?" एम्मेट ने पूछा.

"बहुत दूर," उसकी माँ ने कहा.

"ओह," एम्मेट ने कहा.

तब उसने कहा,

"क्या हम किसी दिन गांव जा सकते हैं?

क्या हम गांव में जाकर सुअर देख सकते हैं?"

"ज़रूर, किसी दिन," उसके पिता ने कहा.

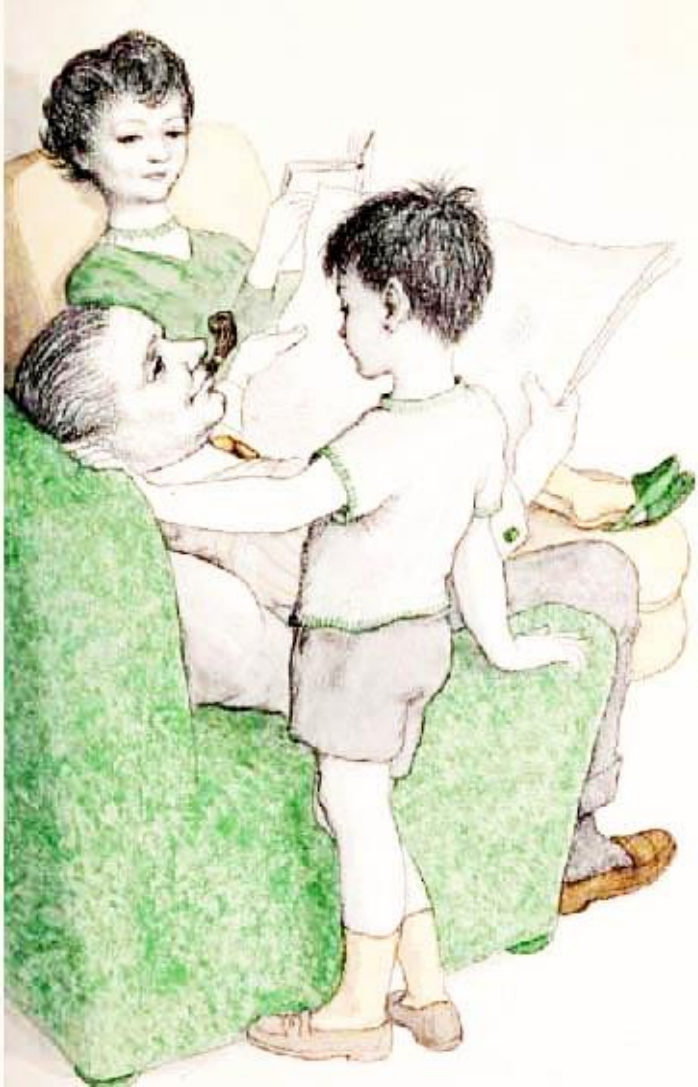

अपार्टमेंट बिल्डिंग में कुछ जानवर रहते थे.

वहाँ बिल्लियाँ और कुत्ते रहते थे.

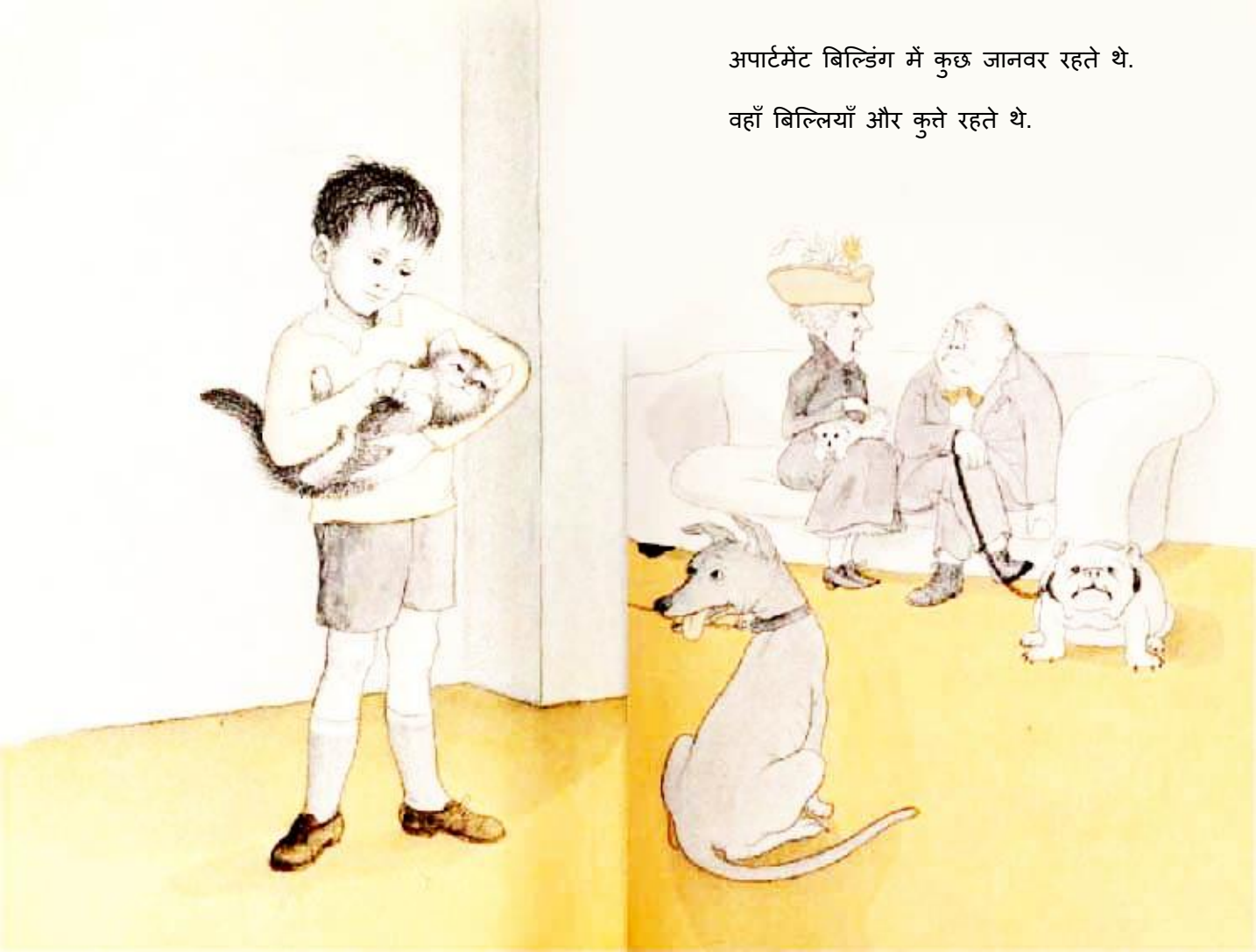

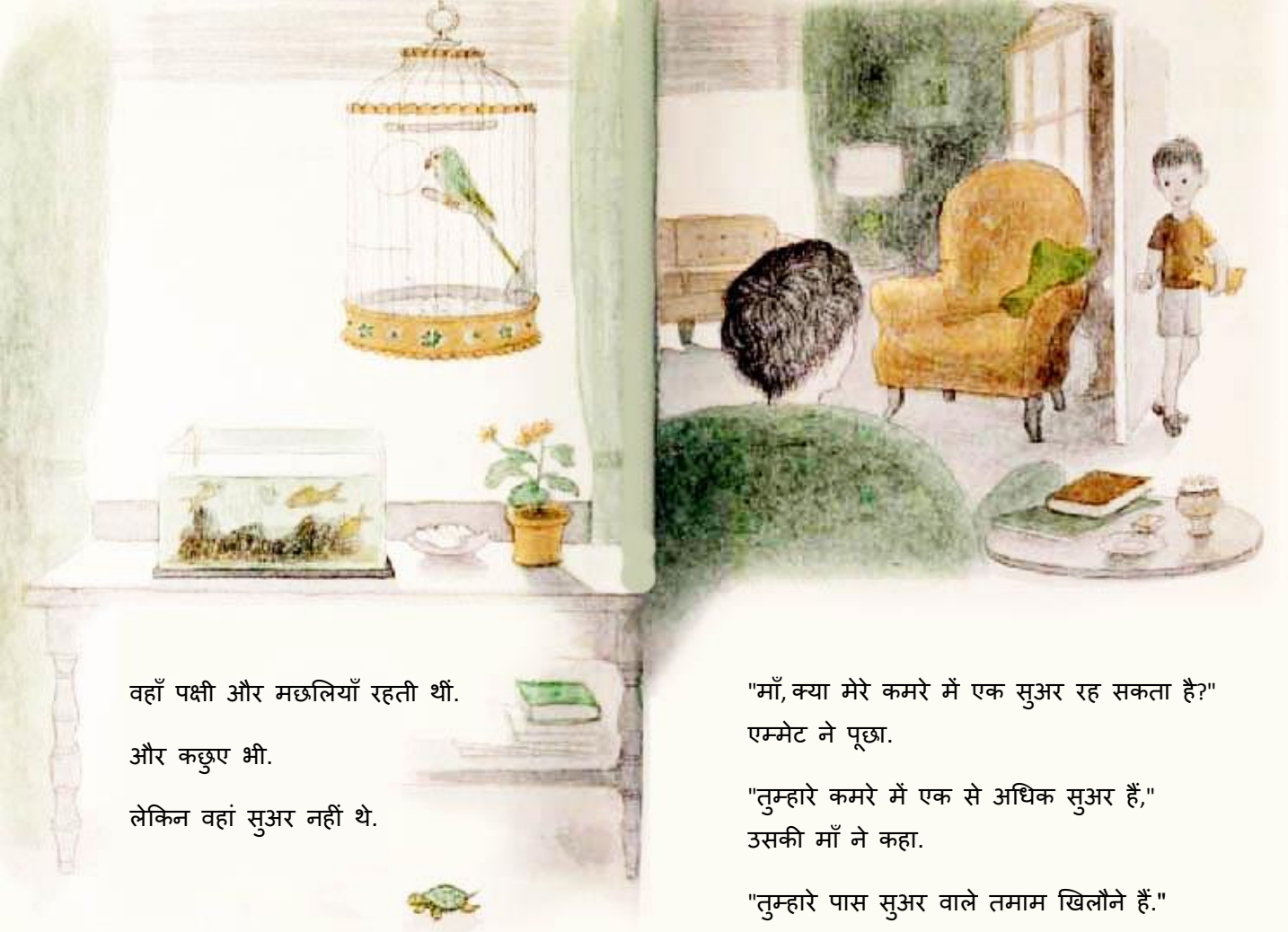

वहाँ पक्षी और मछलियाँ रहती थीं.

और कछुए भी.

लेकिन वहां सुअर नहीं थे.

"माँ, क्या मेरे कमरे में एक सुअर रह सकता है?" एम्मेट ने पूछा.

"तुम्हारे कमरे में एक से अधिक सुअर हैं," उसकी माँ ने कहा.

"तुम्हारे पास सुअर वाले तमाम खिलौने हैं."

एम्मेट के कमरे में सुअर थे.

उसके पास पिगी-बैंक, कागजी सुअर, लकड़ी के सुअर और कांच के सुअर थे.

उसके पास पीले बटन वाली आँखों वाला एक गुलाबी रुई से भर सुअर भी था.

उसके पास सुअरों की तस्वीरें थीं.

उसके पास सुअरों के बारे में किताबें थीं.

कभी-कभी उसके सपनों में सुअर आते थे.

लेकिन उसने कभी असली जीवित सुअर नहीं देखा था.

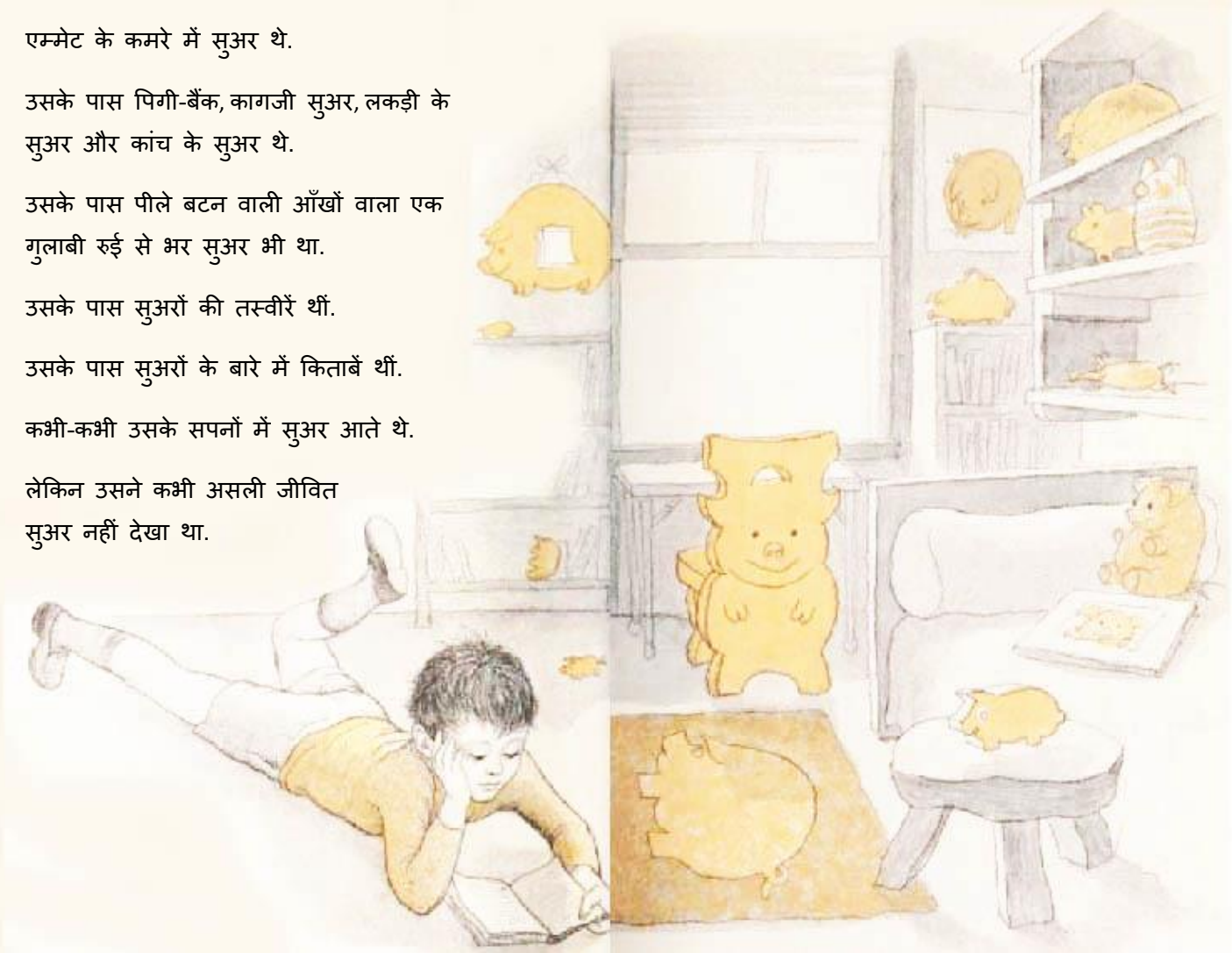

"माँ," एम्मेट ने कहा, "क्या मेरे कमरे में असली सुअर रह सकता है?"

"नहीं," उसकी माँ ने कहा. "मुझे खेद है."

"क्यों नहीं?" एम्मेट ने पूछा.

"क्योंकि सुअर खेतों पर रहते हैं

जहां काफी जगह होती है

और साथ में घास और मिट्टी भी."

"मेरे कमरे में भी मिट्टी हो सकती है." एम्मेट ने कहा.

"फिर मेरे सुअर को मेरा कमरा एक खेत जैसा लगेगा."

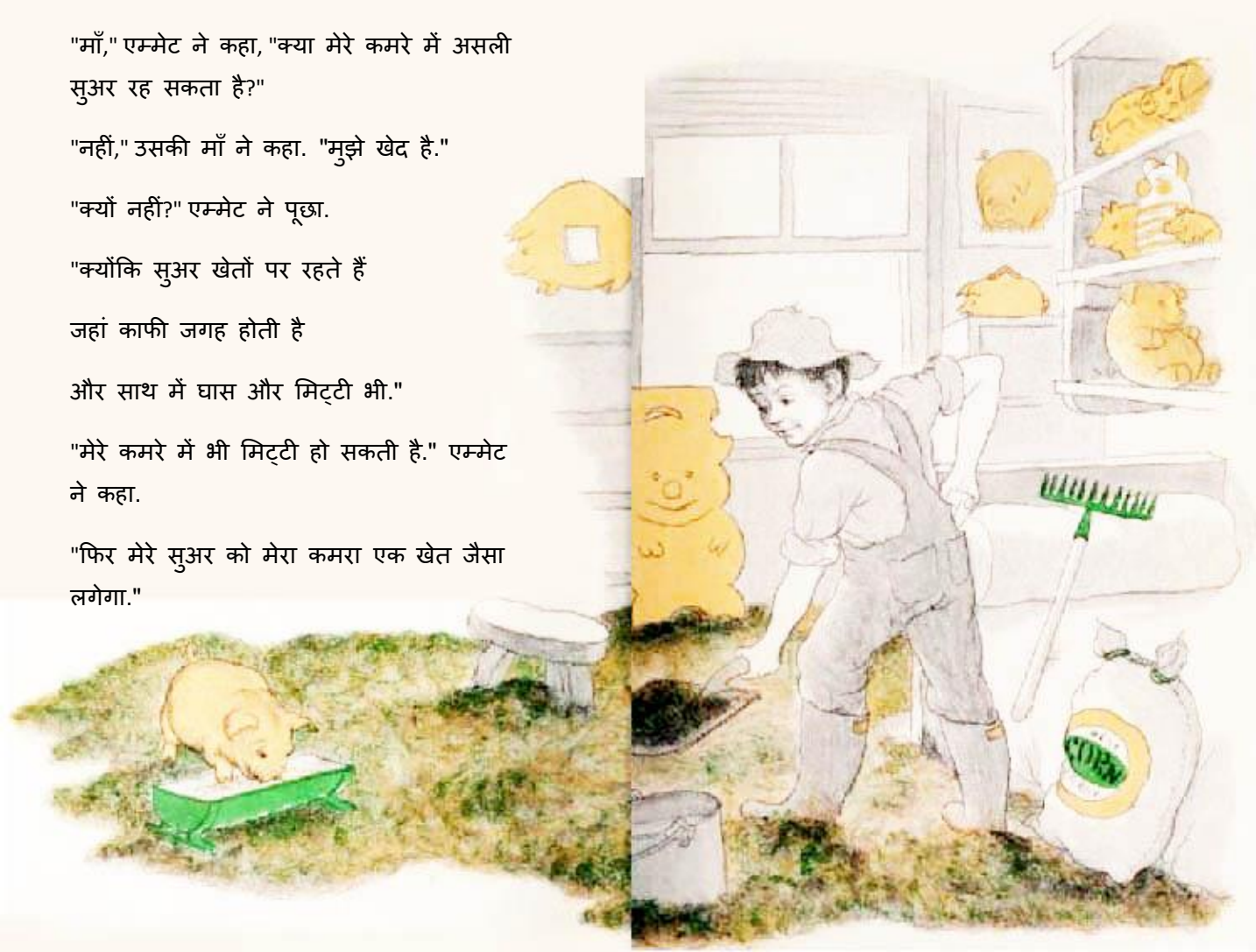

"लेकिन तुम्हारे कमरे में मिट्टी नहीं हो सकती," उसकी माँ ने कहा.

"ओह," एम्मेट ने कहा.

"क्या हम किसी फार्म पर जाकर रह सकते हैं?

ताकि मैं एक सुअर पाल सकूं?"

उसके पिता ने न में अपना सिर हिलाया.

"मेरी नौकरी शहर में है, एम्मेट.

मैं कोई किसान नहीं हूँ."

एम्मेट सोचने के लिए अपने कमरे में चला गया.

उसने अपने सभी सुअरों को देखा.

उसे वे बहुत पसंद आये.

लेकिन वो अब पहले से कहीं ज़्यादा एक असली जीवित सुअर देखना चाहता था.

उसने इसके बारे में सोचा और सोचा.

वो शहर में अपने साथ रहने के लिए सुअर नहीं ला सका.

वो उस गांव में नहीं जा सकता था जहाँ उसके पास सुअर हो.

उसे समझ नहीं आ रहा था कि वो क्या करे.

एम्मेट ने अपनी माँ और पिता से कहा.

“मैं बड़ा होकर किसान बनूंगा.

मैं बहुत सारे सुअर पालूंगा.

जब सूरज नीचे ढल जायेगा.

तब मैं एक पेड़ के ठूंठ पर बैठूंगा और अपने सभी सुअरों की प्रशंसा करूंगा.

मेरे विशेष सुअर का नाम किंग एम्मेट होगा.

किंग एम्मेट अन्य सूअरों के साथ नहीं बैठेगा.

किंग एम्मेट मेरे पास बैठेगा.

वो मेरे साथ खेत में घूमेगा.”

"वो ठीक रहेगा," उसकी माँ ने कहा.

"हम हर सप्ताह के अंत में तुमसे मिलने आया करेंगे."

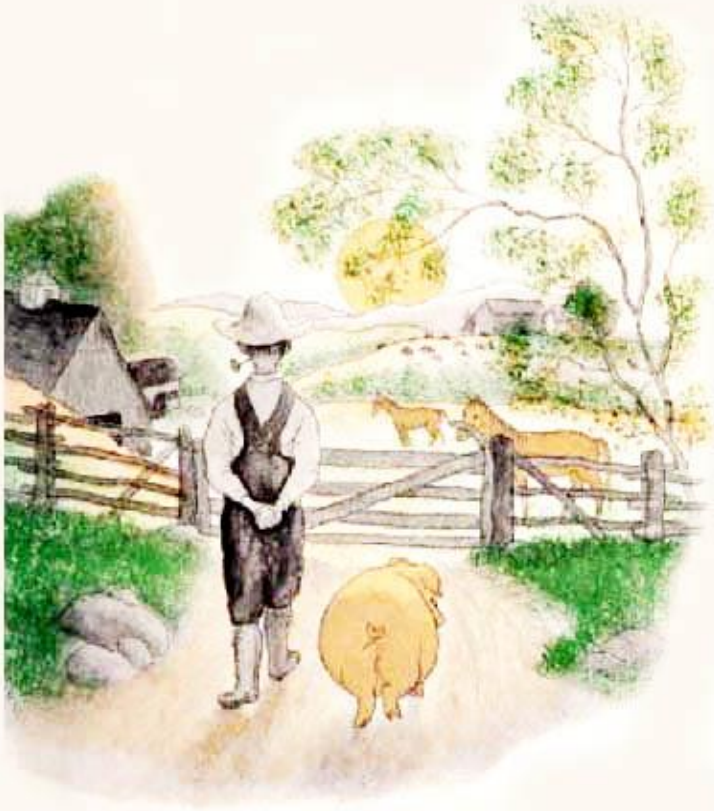

एम्मेट प्रसन्न था.

वो अपना कैलेंडर देखने के लिए अपने कमरे में गया.

वो देखना चाहता था कि साल में कितने दिन बाकी बचे थे.

अभी बहुत सारे दिन बाकी थे.

और किसान बनने में उसे अभी बहुत साल लगेंगे.

लेकिन एम्मेट हर समय सुअरों के बारे में ही नहीं सोचता था.

उसे स्कूल के बारे में सोचना पड़ता था.

उसे खेल और किताबों के बारे में सोचना पड़ता था.

उसे अंतरिक्ष-यान और फायरमैन के बारे में भी सोचना पड़ता था,

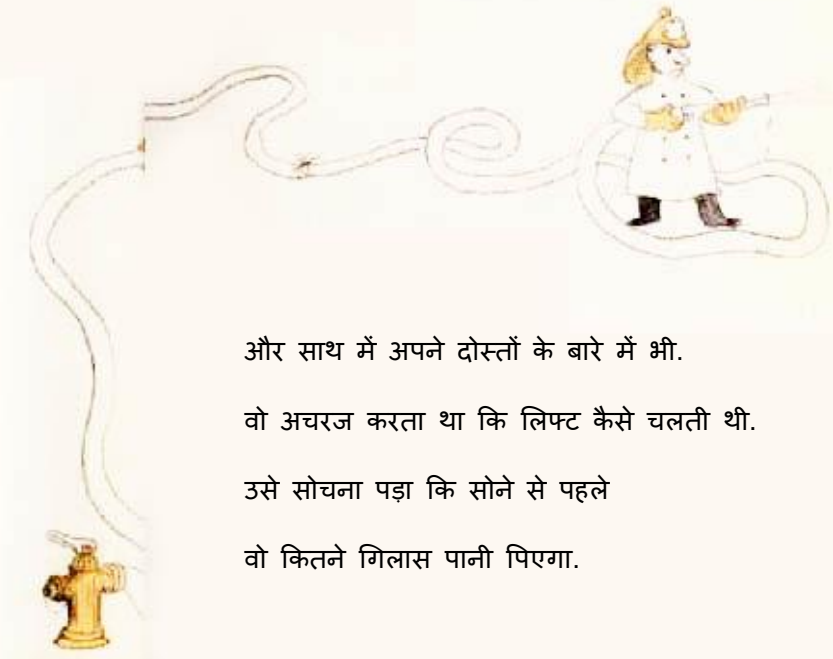

और साथ में अपने दोस्तों के बारे में भी.

वो अचरज करता था कि लिफ्ट कैसे चलती थी.

उसे सोचना पड़ा कि सोने से पहले

वो कितने गिलास पानी पिएगा.

सुअर न होने के बावजूद

एम्मेट बहुत व्यस्त था.

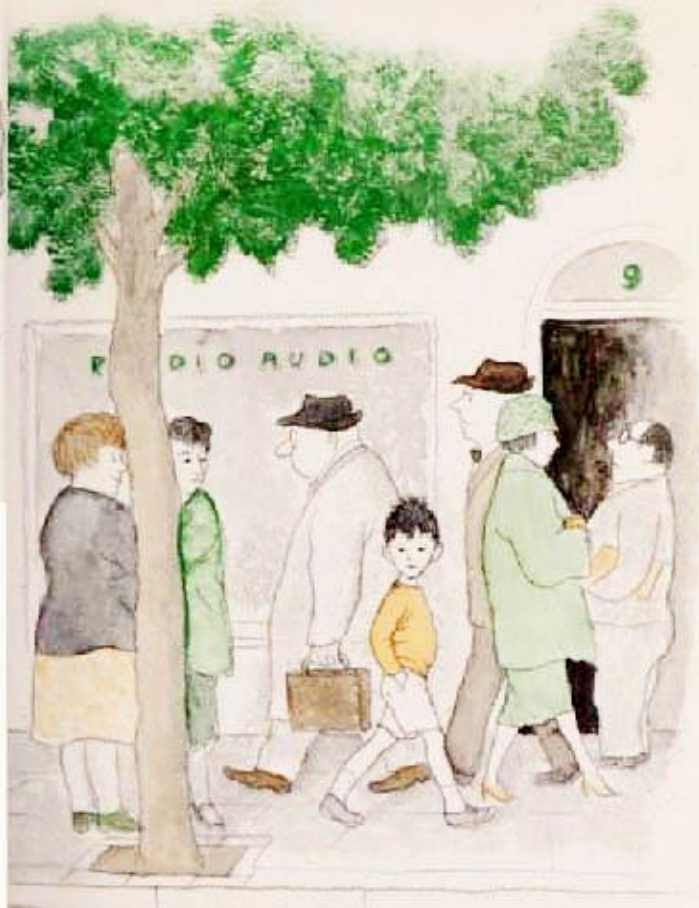

उसे स्कूल जाना था, दंतचिकित्सक के पास जाना था,

और अपने दोस्त के घर जाना था,

उसे कोने के पास किराने की दुकान तक,

और टहलने के लिए भी जाना था.

अध्याय दो

एक सुबह एम्मेट बिस्तर पर बैठा.

वो मई का इकतीसवाँ दिन था.

वो एम्मेट का जन्मदिन था.

एम्मेट उठा और उसने अपने सुअरों की ओर देखा.

वे बिल्कुल ठीक-ठाक थे.

फिर उसने खिड़की से बाहर देखा.

मौसम भी अच्छा था.

वो यह देखने के लिए हॉल में नीचे गया कि उसकी माँ और पिता जाग रहे थे, या नहीं.

वे जाग रहे थे.

इस तरह उसका जन्मदिन शुरू हुआ.

उसने पैनकेक खाए.

पैनकेक, एम्मेट को जन्मदिन के नाश्ते में पसंद थे.

उसे कई उपहार मिले थे.

फिर उसने पैकेट खोले.

उसे अपनी दो दादियों से उपहार मिले.

उसे अपने दो दादाओं से उपहार मिले.

उसे एक ट्रक, एक गेंद और एक पहेली मिली.

उसे पेंटिंग करने वाली एक किताब मिली.

उसे पढ़ने के लिए एक किताब मिली.

उसे अपने सभी उपहार बहुत पसंद आये.

लेकिन उसे अपनी माँ और पिता की ओर से कोई उपहार नजर नहीं आया.

"एम्मेट," उसके पिता ने कहा जब सभी उपहार खुल गए.

"हम तुम्हें कार में घुमाने ले चलेंगे."

"हाँ," उसकी माँ ने कहा.

"हम इसे जन्मदिन की सवारी कह सकते हैं.

अंत में वहाँ तुम्हारे लिए एक उपहार होगा."

"आप की ओर से?" एम्मेट ने पूछा.

"हाँ," उसकी माँ और पिता ने कहा.

"क्या हम सैर पर अभी जा सकते हैं?" एम्मेट ने कहा.

"ज़रूर, चलो," उन्होंने कहा.

सबसे पहले, उन्होंने शहर का भ्रमण किया.

"क्या मेरा उपहार बहुत दूर है?" एम्मेट ने पूछा.

"बहुत दूर," उसकी माँ ने कहा.

फिर वे एक सुरंग में से गुज़रे.

"क्या हम किसी दूसरे शहर में है?" एम्मेट ने पूछा

"नहीं," उसके पिता ने कहा. "ऐसा नहीं है."

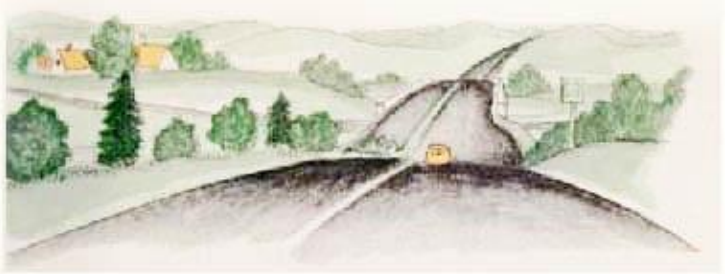

वे एक बड़े राजमार्ग पर चले.

"क्या मेरा उपहार किसी गांव में है?" एम्मेट ने पूछा.

"हाँ," उसके पिता और माँ ने कहा.

एम्मेट ने सोचा और सोचा.

"क्या मेरा उपहार बहुत छोटा है?" उसने पूछा.

"हाँ, वो बहुत छोटा है," उसके पिता ने कहा.

"क्या वो बड़ा हो जाएगा?"

"हाँ," उसकी माँ ने कहा.

"हाँ, धीरे-धीरे वो बड़ा हो जाएगा."

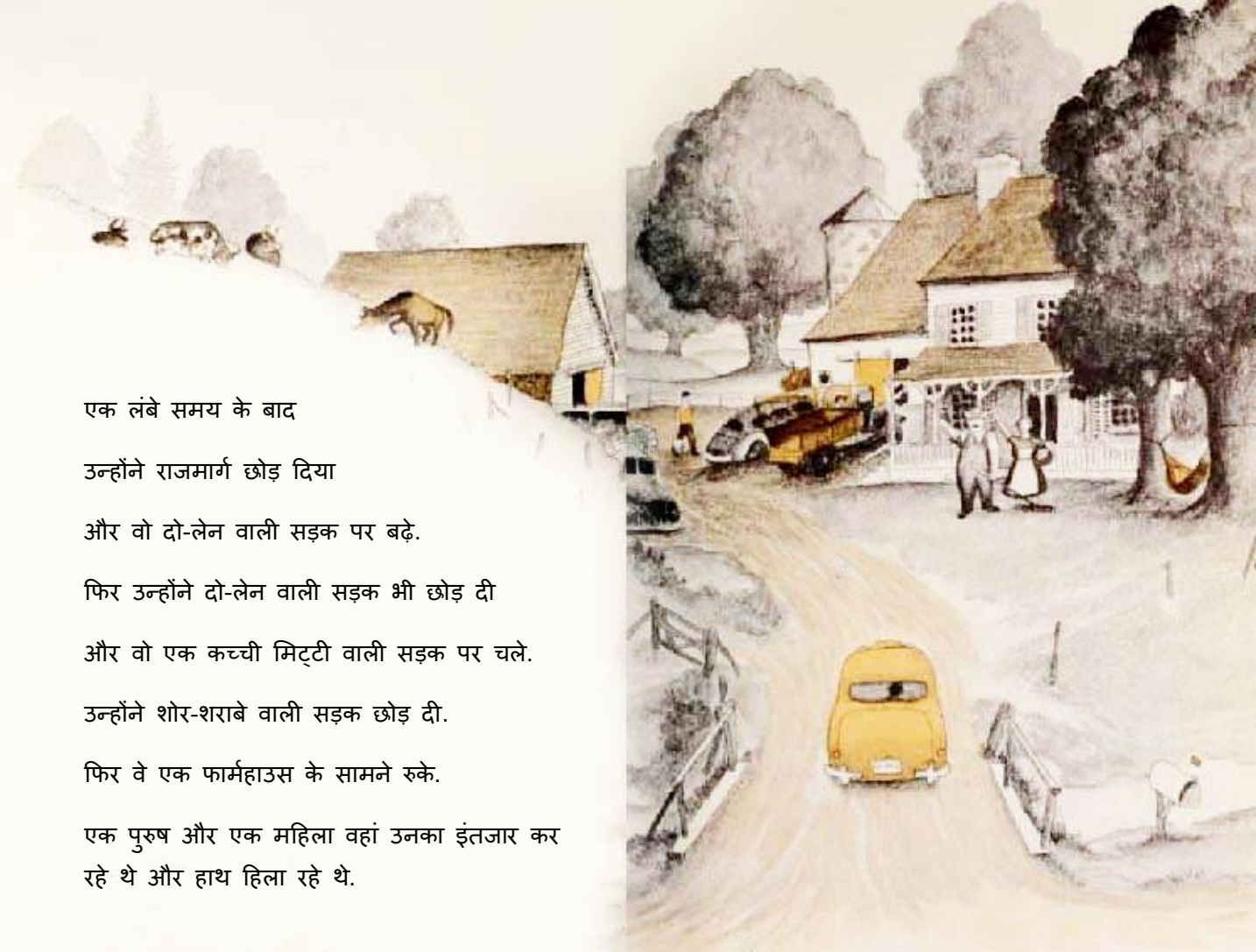

एक लंबे समय के बाद

उन्होंने राजमार्ग छोड़ दिया

और वो दो-लेन वाली सड़क पर बढ़े.

फिर उन्होंने दो-लेन वाली सड़क भी छोड़ दी

और वो एक कच्ची मिट्टी वाली सड़क पर चले.

उन्होंने शोर-शराबे वाली सड़क छोड़ दी.

फिर वे एक फार्महाउस के सामने रुके.

एक पुरुष और एक महिला वहां उनका इंतजार कर रहे थे और हाथ हिला रहे थे.

"हैलो, मिस्टर और मिसेज़ कार्सन. यह हमारा बेटा है, एम्मेट," उसके पिता ने कहा.

"तुम कैसे हो?" मिस्टर और मिसेज कार्सन ने एम्मेट से कहा.

"आप कैसे हैं?" एम्मेट ने कहा

फिर उसने खेत के चारों ओर देखा.

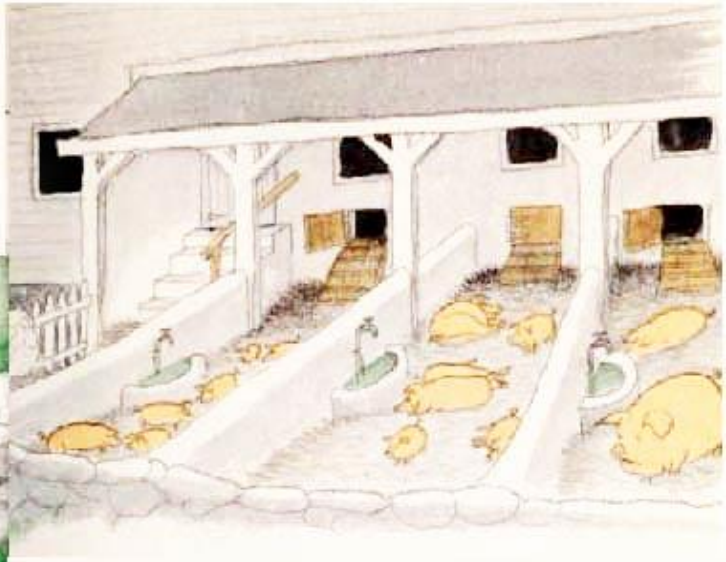

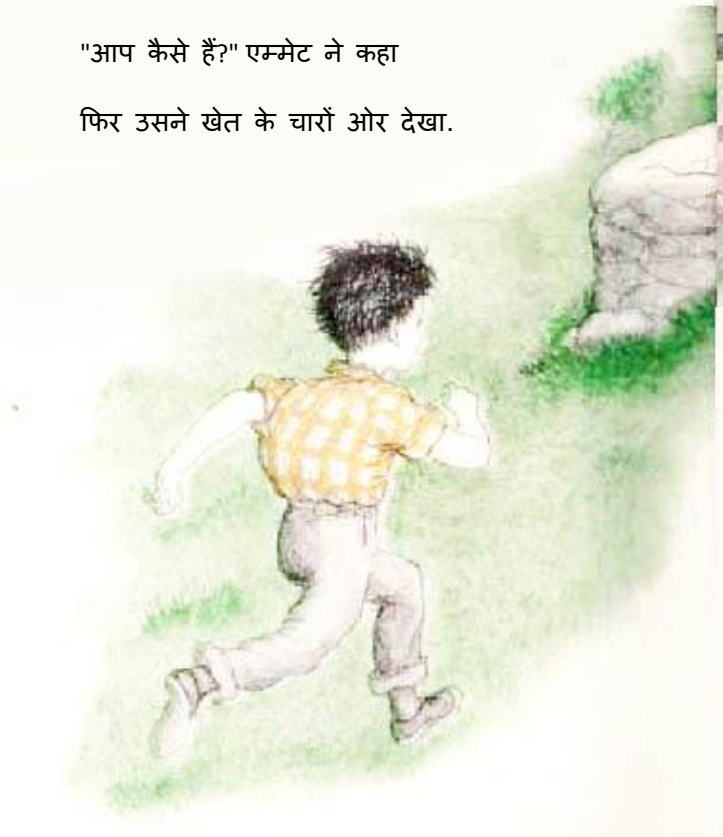

उसने एक बगीचा, एक अस्तबल और एक साइलो देखा.

उसने साइलो के पार देखा.

और वहाँ एक सुन्दर सुअर का बाड़ा था.

वो सफ़ेद और साफ़ था.

"क्या हम वहाँ चलेंगे?" मिस्टर कार्सन ने कहा.

"ओह हां," एम्मेट ने कहा. और वो भाग कर गया.

वो गोल मटोल और चमकदार था.

वो अपने छोटे खुरों पर खड़ा था;
उसकी छोटी पूँछ हवा में मुड़ी हुई थी.

और उसने सीधे एम्मेट की ओर देखा.

सुअर बाड़े के एक हिस्से में एक माँ सुअर और कुछ छोटे सुअर थे.

छोटे सुअरों में से एक ने एम्मेट की ओर देखा.

एक सुअर के छोटे-छोटे खुर, छोटे-छोटे नुकीले कान और गोल-गोल प्रसन्न आँखें थीं.

एम्मेट बहुत देर तक स्थिर खड़ा रहा.

"यह एक वास्तविक जीवित सुअर है," उसने कहा.

"हाँ, वो एक जीवित सुअर है," उसके पिता ने कहा.

"क्या वो सचमुच मेरा है?" एम्मेट ने पूछा.

"वो वास्तव में तुम्हारा है," उसकी माँ ने कहा.

"वो तुम्हारा जन्मदिन का उपहार है.

वो यहीं खेत पर रहेगा

लेकिन वो हमेशा तुम्हारा रहेगा.''

"ठीक है," एम्मेट ने कहा.

"धन्यवाद. वो बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैं चाहता था."

"हम जानते हैं," उसकी माँ और पिता ने कहा.

"मेरे सुअर का नाम किंग एम्मेट होगा."

"ओह," उसके पिता ने कहा.

"तुम अपने सुअर का नाम अपने नाम पर रख रहे हो?”

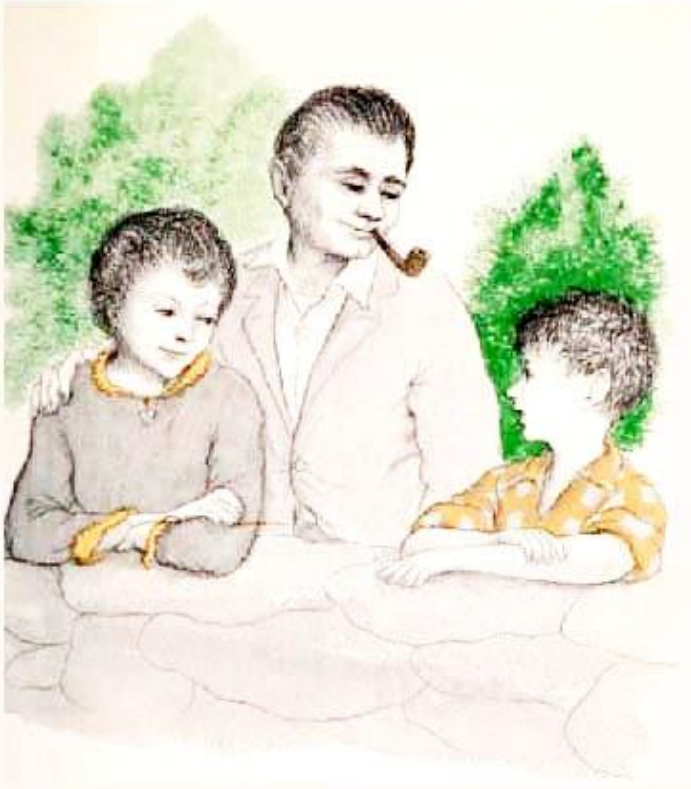

"हाँ," एम्मेट ने कहा.

"केवल वही किंग एम्मेट होगा
ताकि कोई भ्रम न हो."

"ठीक है," उसके पिता ने कहा.

"यह पहली बार है कि हमारे फार्म पर
कोई किंग सुअर रहेगा," मिस्टर कार्सन ने कहा.

"यह पहली बार है जब हमारे पास कोई सुअर
किरायेदार जैसे रहेगा," मिसेज़ कार्सन ने कहा.

एम्मेट मुस्कुराया.

उसने कहा, "मैं उसके लिए कुछ पैसे भेजूंगा
अपनी पॉकेट-मनी से उसकी दावत के लिए."

"ठीक है," मिस्टर कार्सन ने कहा.

"मुझे यकीन है कि वो उसका मज़ा लेगा.

और मैं आपको उसके बारे में एक रिपोर्ट कार्ड भेजूंगा."

"वो बहुत अच्छा होगा," एम्मेट ने कहा.

"क्या मैं उसे बाहर ले आऊं?" मिस्टर कार्सन ने कहा.

"फिर तुम उसके साथ खेल सकते हो?"

"ओह हाँ. कृपया," एम्मेट ने कहा.

फिर मिस्टर कार्सन ने किंग एम्मेट को बाड़े
से बाहर निकाला.

किंग एम्मेट चिल्लाया.

वह घास पर कूदा और भागा

एम्मेट उसके साथ दौड़ा.

वे पूरी घास पर दौड़े.

वे साइलो और अस्तबल के पार भागे.

वे बगीचे और घर के पास से भागे.

फिर वे फिर वापस भागे.

जब उन्होंने दौड़ना बंद कर दिया.

फिर किंग एम्मेट आया

और एम्मेट के पास बैठ गया.

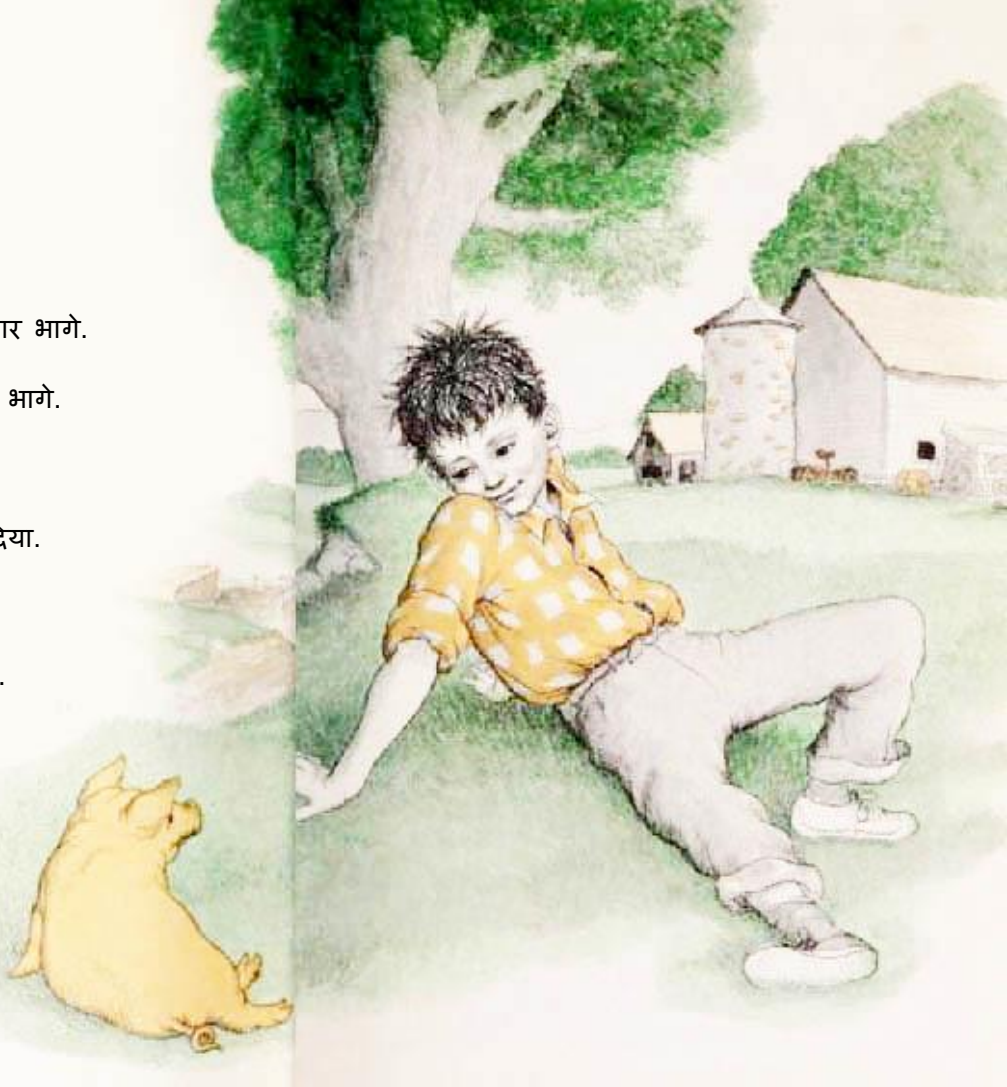

पूरी दोपहर एम्मेट और उसका सुअर एक साथ खेलते रहे.

अब सूरज ढलने लगा था.

मिस्टर कार्सन ने किंग एम्मेट को अन्य छोटे सूअरों के साथ वापस रख दिया.

सारे सुअर खाने लगे.

एम्मेट उनकी प्रशंसा करने के लिए एक पेड़ के ठूंठ पर बैठ गया.

सबसे अधिक उसने किंग एम्मेट की प्रशंसा की.

किंग एम्मेट सबसे सुंदर था,

उन सभी में सबसे बड़ा, और गुलाबी सुअर.

किंग एम्मेट ने एम्मेट को देखा.

"वो तुम्हें जानता है," मिस्टर कार्सन ने कहा.

"हाँ," एम्मेट ने कहा. "वो मुझे पहचानता है."

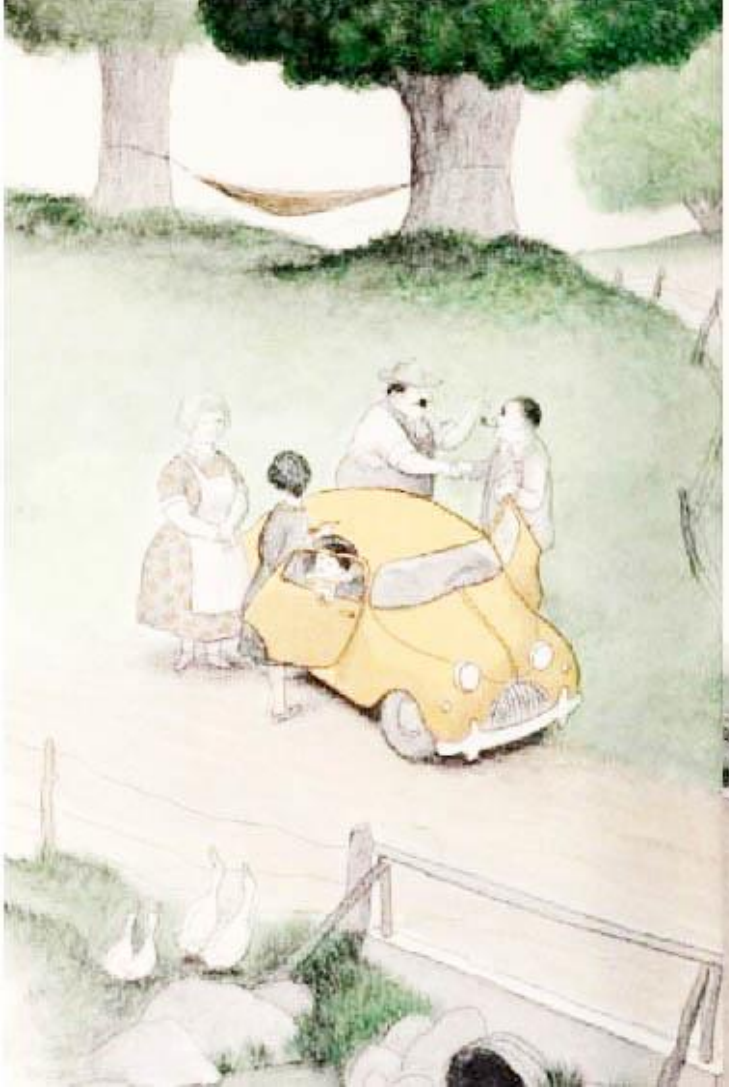

फिर एम्मेट और उसकी माँ

और पिता ने कार्सन को अलविदा कहा

वे अपनी कार में बैठे. और शहर वापिस गए.

जब वे घर पहुंचे तो देर हो चुकी थी.

एम्मेट सीधे बिस्तर पर चला गया.

उसने सिर्फ एक गिलास पानी पिया

फिर वो गहरी नींद में सो गया.

क्योंकि वो किंग एम्मेट के बारे में सपना देखना चाहता था.

अगले दिन एम्मेट ने शिक्षक को बताया

और स्कूल के सभी बच्चों को भी पता चला कि उसके पास सुअर था.

उसने लिफ्ट वाले, किराने वाले,
दंतचिकित्सक को भी यह खबर बताई.

और एक ऐसे आदमी को भी जिसे वो बिल्कुल नहीं जानता था.

उन सभी ने सोचा कि यह ठीक है.

यहाँ तक कि उस आदमी ने भी जिसे वो नहीं जानता था कहा कि यह अच्छी बात थी कि वो खुद एक असली जीवित सुअर का मालिक बन गया था.

एम्मेट को बहुत गर्व था.

वो अभी भी बहुत व्यस्त था.

हर सप्ताह उसे मिलता था

मिस्टर कार्सन का एक पत्र.

हर हफ्ते वो वापिस जवाब लिखता था.

और किंग एम्मेट को एक संदेश भेजता था.

कभी-कभी वो भेजता था

उसके लिए अपनी पॉकेट-मनी के कुछ पैसे.

ताकि किंग एम्मेट को दावत मिल सके.

उसके पास सोचने और करने के लिए और भी बहुत सी चीज़ें थीं.

लेकिन अधिकतर वो यही सोचता था

उस दिन के बारे में जब वो

अपने माँ और पिता के साथ

दुबारा कार में

अपने सुअर से मिलने के लिए गांव जाएगा.

और हर रात वो एक सपना देखता था.

उस सपने में था

एक सुअर और एक लड़का.

उन दोनों का नाम एम्मेट था.

और वे बहुत अच्छे दोस्त थे.

समाप्त